Total number of printed pages–3

14 (HIN-2) 2·5 (N)

2019

HINDI

Paper : 2·5

(New Syllabus)

(Pāshchātya Samīkshā evam Samakālīn Awadhāranāyen)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. प्लेटो द्वारा प्रतिपादित काव्य-सृजन के दैवी प्रेरणा सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

अरस्तू द्वारा प्रस्तुत विरेचन-सिद्धान्त की मूलभूत बातों पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

Contd.

2. लौंजाइनस के काव्य-सिद्धान्त की बुनियादी बातों का खुलासा कीजिए। 12

अथवा

क्रोचे के अभिव्यंजनावाद के स्वरूप एवं महत्व का आकलन कीजिए।

3. स्वच्छन्दतावाद की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

अस्तित्ववाद के स्वरूप पर सम्यक् विचार कीजिए।

4. उत्तर आधुनिक विमर्श के रूप में विखण्डन अथवा विरचना के स्वरूप एवं महत्व पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

उत्तर संरचनावाद की आधारभूत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

5. ***किन्हीं चार*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 4x4=16

(क) काव्य-सत्य संबंधी प्लेटो की अवधारणा

(ख) अरस्तू की दृष्टि में अनुकरण का महत्व

(ग) इलियट के मतानुसार क्लासिकवाद का तात्पर्य

(घ) प्रतीकवाद का महत्व

(ङ) उत्तर आधुनिकता का आशय

(च) प्लेटो की देन।